



संजगवारमासी ॥॥॥ पुरमोय मोधी जहिः धी त वा न सी व
वी तं व ह सी चरी स त म ये दः के स वं दी ते सी न स ल
तं ज य ज ग दी स ह ॥१॥ वे ती र ती वी पुर त ॥ हे त व
भी भ ती प्रा तेः ध र नी ध र न कृ त य कृ क ला ष ॥
के स वं दी त क द्द व ह पं ज य ज रा दी स रे ॥२॥ व स ती
र स सी व लः हे ध र गि त व ल ग न ॥ स लि नी क ली
ः के स व दि त लु क व ह पं ज य ज
॥ हे न व म

॥१॥ किं सिंहास त व भ

॥ श्री तन्मूर्ति

नरहराक्षरपञ्चमस्तु ॥

॥ धातमसि वि कर्म तेः हे वरिजं भुतनाम तः पद
न कलीरजनी तज नया व न ॥ कैल वंदीतः वास
नरपञ्चमस्तु ॥ ५ ॥ दे गी धारु यीरम तेः हे
जगद्वत व मा प ॥ सप्रमत्ता पुष्पो सि तः मित म व ता
पः कैल वंदी त भे गु पती ह पं ज म जगदी स ह रे ॥

५५५

नीतलसीविंदुतनेः दीगवतीकमनीयेः दस-
षमवलीललीलमलीये ॥ कैसर्वदीतरधुपती
हुपैजमजगदिईसहरे ॥ ७ ॥ वहसीधीमुखः बी
सदे ॥ वसनजलदाभः हलहथीवीततवीनी
तजनपात्रः कैसर्वदीतः हरधरहुपैजमज
दीईसहरे ॥ ८ ॥ नीदसीजधवीधः देरहर
पतीकमदरः सीतममुद्यातः कै

ली लं ज म ज ग दी सह रे ॥ ५ ॥ जो
ह सी ध ले : हे क ल म सी क ल वा ल ॥ धु मु
कि नु मो व पी मा नि के लाल : के स वे दी त : के ल की स
रु धी : ज म ज दी सह रे ॥ १० ॥ श्री ज य दे व क वे टी त
मु नी प्र मु दा ल ॥ सु न सु ब दे सु भा ॥ दं न मी माली :
के स नी दी त द स वी धी रु धी जं य ज ग दी सह रे ॥ ११ - ४

सागजगती ॥ श्रीतकमलाकुचमृदतलाधृतकुदलम
॥ काली तललीवेंनमाल ॥ जय जय देवहरे राम
श्रीमंदेव ॥ १ ॥ दिनमुनीमदलमंदल ॥ भावर्षदं
मुनीजनमानसहसः रामजय जय देवहरे ॥ २ ॥
कालिघार्किषधरगंजन ॥ जनैजनहे ॥ जलकुल
॥ ३ ॥ जय जय देवहरे ॥ श्री जय देवहरे ॥ ३
नाशन ॥ गह्वर्यासन ॥ सुलकु

सयनदेव ॥ श्री जय देव ॥ ४ ॥

जय जय देवः श्री जय देव ॥ ५ ॥ श्री
लाल धर लोचन ॥ भवमोचन हेः शुभवन
शुवननीकनः जय जय देवः श्री जय देव ॥ ५ ॥ जनक
लाकृतिताभुवन जितदुखन हे ॥ समलसम तदेस
कथः जय जय देवः श्री जय देव ॥ ६ ॥ श्री भवन जलध
ललोचन जितकुदल हे ॥ श्री मुख चंद सकोलः जय
जय देव श्री जय देव ॥ ७ ॥ तव्य लने प्रति सट मित्ती

आ ब न ॥ कु ल कु थ र प्रा त ते नः नृ य ज य दे व हे ॥
श्री ज य दे व ॥ ६ ॥ श्री ज य दे व क वे रिव कु ल ते म्ब द
हे ॥ राम मी ग ल मु जो त ग रिस तं ॥ ज य ज य दे व

हे ॥ श्री ज य दे व ॥ ७ ॥ ❀ = ❀ = ❀

रा ग दु ता र ॥ र ली त र व ग र त प्र ली श्र र ह्ना ॥ को
म म य स र ॥ म धु क र व नी नी र क ॥ ल त र ॥ को
नी त मु न ज को ती ॥ वी ह र ती हारि वी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जय श्रीजगन्नाथ ॥ नमो भगवते
महादेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

गुरु आज्ञा विषमारेण विख ज्ञारण्डं फट्ट स्यात् ॥ धा ॥
ध्वमंत्ररां विचा उग क गुरु विख स्या य गु पु ॥ १ ॥
गुरु आज्ञा भुतमारेण पेठ मारणे दं कि वि मारने सां कि
रिण मारणे सत्रु मारने म सारा मारने पानि मारने
पु ॥ १ ॥ मारणे यदि म मारणे हरिण मारणे उत्र म
रणे स्यात् ॥ धा ॥ १ ॥ धो मंत्रने भुतपतल गे जु

गुरु आज्ञा के ला सपरवत हे रा शे ज के
विधी विधी सा विधी ल विधी

५९ फेर स्यात् ॥ धा ॥ १ ॥ ३८ पे

२२ फेरों त्याहा ॥ धाल ॥ २४ मैत्र नं-

[illegible]

ॐ मंत्रं रां हि दियु ॥ गुरु आजा अकास देवि अ
कास मे रं कत त्या हा ॥ धात २ ॥ ॐ मे रं
अकास देवि लगे को ज्ञान ॥ गुरु आजा रिण व ते
त्रितारि हुं कत त्या हा ॥ धात ३ ॥ ॐ मंत्र रां मिता
स्या क गु पु वे ॥ गुरु आजा चि ली चि ली चि ली चि
त्या हा चालि चालि त्या हा ॥ धात ४ ॥ ॐ मंत्र रां बु
॥ गुरु आजा चारै कि ॥ ला चारै दिसा श्री

॥ गुरु मंत्रं रां बु ॥ धात ५ ॥ ॐ मंत्र

॥ रा. व. र. सिंग गुरु ॥ ध्यात १ ध्वमंत्र
॥ ध्वमंत्रा पुत्रिगु बलवते ॥ के गजुल लो ध्वमंत्रुत सं
मंत्रे या अत्र वध्या चो क हि ॥ हो ले ॥ गुरु आज्ञा
गुरु गाने सा यन ३ यो हि मोहिं त्या हां यो हि मोहिं
॥ त्या हां यो हि मोहिं त्या हां धार १ ॥ ध्वमंत्र न सुतु पुत्र गुरु ॥
गुरु ओ सा वातो ॥ मोहि वातो सा तो ॥ आयो नानि ध्वं गा मोहि ध्वं गा ॥
॥ सा तो आयो नानि ॥ वा खरा मोहि वा खरा सा तो आयो नानि ॥
मेरा मोहि मेरा सा तो आयो नानि ॥ कुरु मोहि कुरु सा तो

आयो नाति ॥ गार्इ माठि गार्इ सातो आ यो नाति ॥ भै ईस माठि भै
सि सातो आयो नाति ॥ घोर ॥ माठि घोर सातो आयो नाति ॥ हाति
सा माठि हाति सा तो आयो नाति ॥ गं गार्इ पारी गं गार्इ पारी यो सा तो
आ हिं स पति का ल दे गुरु ॥ धार १ ॥ धमं त्रं नं सा तो पु बे ये ॥ ६३
गुरु आ जा पु र्व भै ईर व जा ग ण दि म भै ईर व जा ग द वि न
भै ईर ॥ व जा ग उ त्र भै ईर व जा ग मे रौ जे त्र ज गार्इ दे उ गुरु ॥
धार २ ॥ १ ॥ धमं त्रं नं ल क ॥ ल जं त्र ज गार्इ या य ग ॥ गुरु आ जा
तिं वा ई वे ल वा ई र गार्इ वा ई अ का स वा ई मो दे वा ई त्रं त्या हा
नं व नं व्य ठ स या फे य को का य पु ये ॥

प्रजागितिके आज्ञा मंत्र लुक्कि आज्ञा गुरुगुन
रामन भाल्या होय मराउहा सगरीस वपरवत मेरापास
निचलि आउगु॥ धात ७२५ मंत्र से मेव याता व से काय
गु॥

ॐ नमो जोगा जो रजि जोगो सु लिहें दुंदुही हिं सवे का सिद्धि
रु हभागा नम स्वाहा ॥ धाम ॥ ७ ॥ लख जप तो नकि रग
को थय ॥ ० ॥ सिद्धि गुआ देस यि सिद्धि सिद्धि तो था निहो
ध सिद्धि गुआ ॥ धाम ॥ १५ ॥ यो मंत्र जग लो दुआ न
दा पट के पसिया ता ॥ पसि सिद्धि दई ॥ १६ ॥ सिद्धि गुआ
भागा दर्शन या न दर्शन गाल का मुह का दे विद्या ३
भागा सिद्धि मोहो नि सिद्धि गुआ ॥ धाम ॥ १७ ॥
मे मंत्र न था ता ता दन तय सुना न हि यम पु ३६ लो
॥ नैं लं र जा लामु सिद्धि यथा तं स्वकी हा जे मु

॥ नैं लं र जा लामु सिद्धि यथा तं स्वकी हा जे मु

ना वि धमा मा के ॥ ३० ॥ नमो नो गा जो मि
उ लं लि हुं हुं हि हि सवे का जो शि धि उ ह उ अ
म स्वा हा ॥ धा ल ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ र गत को का का दू नी ध ॥
३० नमो न गत सुत पीत स ल य तं गु लं के जो प घु वी य
जा छा पा य द मं धा न ल सु हुं मि मंत्र क हुं हो हि श्री श्री
सो र वा वा ॥ धा ल ॥ १॥ ॥ धा र गत को द द्या हि दि य डि न ॥
३० ती ति मं टं गु हं आ मा ॥ धा ल ॥ १॥ ॥ सु पु द ॥ ३० ॥
३० हि हि हि हि प हि ध ना था य जे रं क क त स्वा हा ॥ धा ल
॥ ५॥ ॥ अ न्न दे ता नं प हि वं य ॥ ५॥ ॥ नं ल

ॐ गुरु आ ॐ माहरे प्रेता प्रेता श्रीता श्रीता कुरु सुकोसा सा है ॥ धार २९ ॥
फुल्ल ठोक या पु य ग ॥ ॥ ॐ गुरु आ हा मा हा देव पार
वति या च फु ॥ ॥ धार ७ का क पु य जिव ॥ ॐ मा हा देव पार व
कि आ जा श्री गुरु आ हा फ फ उ न ख ए स्वा हा ॥ धार ७ ॥ मा हा देव के
को य मी त्रि ॥ ॐ मा हा त म गुरु गुरु आ हा गा घा मा त य स्वा हा ॥
धार ७ ॥ जे ख ज प ल पा व त के जो को का य जिव ॥ ॥

श्री गुरु आ जा तुं दे ॥ हा म वी त व द री त सा है फुल्ल स्वा हा ॥ धार ९९ ॥
मा क म के म व म पु या क या जिव ॥ ॥ ॐ हा योगि वि म त्र ॥ चौ स
दा य नि ॥ ज प क ल पी पी पी स्वा हा ॥ धार ७ ॥ मु त पि सा च सा
म सि धि गुरु आ हा ॥ पु र्व द धि न प द्धि स उ त र वा हा

त्या हा ॥ धार ७ ॥ स प स व ॥ नि री म क र ॥

त्यासा ॥ धाट २ ॥ सप सवु ११ चिकं साखत पचा यपीत
का य ॥ ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
न लिका भै रव ॥ कायं दिका आहु फत स्वाहा ॥ धाट २ ॥ आये गोरा
पुय ॥ ॥ आदे सरा ग्यापासादा मुति स्वाहा ॥ थो मत्र रगत दिदि
य मि सा पा य या ॥ धाट २ ॥ अंक धारि म सम स्वाहा ॥ धाट २ ॥ कै पुयः
॥ सिधि गुरु आ सा सत फुल वाई व घन प वन गुरु ल फुल मत्र तीत गुरु
कि ना पा फुल मंत्र मेघ कि वा चा फत स्वाहा ॥ धाट २ ॥ फल थो क य ॥
॥ ३० ॥ अंक धारी म सम स्वाहा ॥ धाट २ ॥ सा पा वि वि धिका य ॥ ३० ॥ कामता
आ मता फुले स्वाहा ॥ धाट २ ॥ स पा वि पुय ॥ ३० ॥ विजरा यहुं फत स्वाहा ॥ २ ॥
दि दि य गुरु

अधै गरु आसा सिद्धि कार भै ईर व या आ जा श्री
इरु ज विता क या आ जा से ते सते स्वा हो ॥ धाला ॥
॥ २० ॥ ओं मंत्र कुं कु म गो ल य न चो य सा क या पि मि त
द य ता द न या य जि न ॥ श्री र ता रि जो ने ॥ आ दे स ग र ह के
को कु न या सि धि व ह्मा य जि बा मु यं ये वि का मु ह्मा दे
वि न्मो जी सि धि ता रि जो ने ता वो ने सि धि द र् ॥ ३० ॥ श्री सि धी
उ ह्मा र ता ओं ह्मा यो रि दिं रि य यो रि र ॥ लु य य नि भै र वा य
नि दि दि हा रं पु रें न मो न सा हा ॥ धाला ॥ ४०० ॥ ॥ न य हा के जि

५॥ वं से या य जि न वा य सा क या ता जि न स क ता जि न न हो या
य जीव ॥ कु ल या मा ल य अं द य की मि कि मि ना स ना स हु हु
कु ल स्वा हा ॥ ध्या न ॥ १ ॥ ल ख ज म या य को य स क ता
जि न ॥ ॥ ओ ल या य चित स्वा हो ॥ ध्या न ॥ २ ॥ धि त का य ॥
ॐ ख ल क न ल क ल जा हं हं स्वा हा ॥ ध्या न ॥ ३ ॥ सि धि य ॥
लि । क चि लि बु दि आ मे कि य वा स हं ली म व्र मा ल हा कं
आ मे आ धा सि सि नं ॥ ध्या न ॥ ४ ॥ वा स्वा पु य मे ल
क पु जि न ॥ ॥ ॐ सु ने न दा ग ती स्वा हा ॥ ध्या न ॥ ५ ॥
य अ विं वा व या पु य मे वं म सु या क या पु य
य ॥ ॐ दि दिं दिं वं द य वं द या हा ॥ ध्या न ॥ ६ ॥

य अ चिं वा व या पु य म व न क

ॐ हं हिं सिं नं द्र य नं द्र स्ना हा ॥ धा ल ॥ ३ ॥

कुं व याला ब जय तो न के ॥ ॐ नम जो गा जो ति जो जो
सं हिं हुं हुं हिं हिं सर्वे का जो सि धि नम ॥ धा ल ॥ ३ ॥ र ग
अ पि गु को अ य जि व ॥ ० ॥ ॐ र्वी मि ति मी म न मा त्र स्ना हा
धा ल ॥ ३ ॥ ते हुं का क पु य ॥ ० ॥ ॐ हुं ल हु र श्री जय कर श्री व
से क ल श्री श्री हि स्ना हा ॥ धा ल ॥ १ ॥ ॐ मे न धं वा स्ना न
ज म ल मा हु व के व से या य श्री व ॥ ० ॥ ॐ श्री दत्त को मा ली
फा त के दा ना हु ली हि फा तं स्ना हा ॥ धा ल ॥ ३ ॥ सि धू अ य
शु ज पा न हि य

अनमसि ह्रीं उ ह आ जा य न म मं हिं धुं तुं श आ धि म
सिद्धि सिवा शै रु मु जो भ व र्त्तुं श आ तु म ल जो न रु मा
थो आ य मे ले य धि प ल ॥ धा ॥ ॥ ॥ ॥ हिं रु ज पा व ती य
थ म धा य व र्त्तुं ॥ आ य हुं रु सा ख हा अ न म हिं धा के वा वा
ध ॥ ३० व वो क सि या ला हा तो क थो ल आ हे त ॥ ५२ ॥ अ प व
रु ये थ का व दो य रु था स जु ल सा दे का य धु ल न
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ अनमपं वि १ अ य के स जी वा ध य का रु दे वा
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ के आ ज मा ग य हि त हे क आ ज मा वो क सि नी वा धा का
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ य के आ र स कु ल मं दि यो र वा वा ॥ धा ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

तासु कंत दायु पाके ॥ १०॥ ३००० हे स्वा हा वि कुहे स्वा
सा मा हा वि कुहे स्वा हाः ॥ धा ॥ १॥ प्रचा नुय प्र
कु यल नुय प्रचा नुय तो न के साल को का य प्र प्र
॥ ३००० मा हा नल प्र विर सा हे क त स्वा हा ॥ धा ॥ १॥
ता प्र प्र त सा प्रानी का य ॥ ॥ ३००० चा लि प्र लि हा हां हु हे
क त स्वा हा ॥ धा ॥ १॥ कला प्र प्र चा ३००० सा दो स प्र चा ३००० साल
स हो क प्र प्र न ध त प्र प्र ॥ ॥ ३००० दुल धि ल प्र हा श ३०००
र त प्र प्र रि हा ग के प्र प्र ग से तो ना ना य ॥ ना य
३००० धा ३००० या चा का प्र हो ले मु मि प्र के

३००० ग स रि प्र प्र हा ॥ ३००० १०॥ ३००० ३००० ३०००

श्री ॥ राघव निमग्न स्नाहा ॥ ६॥ १॥ धोल चक्र जुग

जो तं के मचा नुय को काल ॥ ३२ विरम खमा सा धि
का नि भुम कह न र पं न रं श्री छं न ममा मा नो य ह्य

हा ॥ धा ला म ॥ ज म सि धी या य ॥ ॥

३७ समु सा न भेर व नो अं अ हा हां प्र ह्या ॥ धा र द थो

म व व मु स र स गुरे का पो र मि सा धा न म सा न सं

का नि कं न मो ह नि प्र य वि व न के टि के जि न ॥ ॥

ॐ हि हि हि हि हि हि हि हि हि हि दे न दंत ॐ धा

गो न व सं क यो म व न नो य श्री व से सा य

गो न व सं क यो म व न नो य श्री व से सा य

ॐ सं सं ल ल ल ल ल ल ल ल श्री श्री ॐ नमो ॐ रु कि वा वा
धा २२। वा थ सा क वा धा ३ व द्या क वा ल सा क
थो वं वु थ उ न व गु सा सि न या ता व ह सा सि ता ६
या मि ह वा को या य ३ ल मु द न यु णि वं १०॥
ॐ द य न सो दा इ टिल मो व सा य नि न म ३ फा म न
गि नि ३ वं वं वं का य य तो स भ कि नि सा हि म
सा हा धा २। आ का ल ३ म ल पा वा य गु व द्या नि
कि नि वं वं वं या य स व त या थो वं वं वं वं

गि था म र वि स वा ले म ह वा ले म ७ गो वा ले

गाथा मंत्र विस्मयाने मदु जाने मथो आवेल
न य मंत्र थो जुल सिद्ध ॥०॥३१ हु फट हं हं वा
काय मंत्र धं य स्था हा धार ३। आ दो म
ज म म पा हो ले दा कि निनं ठि य म फु ट के थ व ता
रे न वा य स व त टा र न वा य जि क ॥०॥३२ न मे जो
गा गो शिं जो जो सु लि हुं हु हि हि स ने का सि धी गु र
आ र सा न म सा हा धार २। थो म म न म म म ल र ज म प
न पा तो न के र र त थो पां गु या को का य रु म ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
अस्मिन्नाय

ASHA AT G 153

2799

ASHA AT G 153

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ

रोगाग्रासावरि ॥ ५ ॥ क ताजि

वः तं नु मा रोः मु वा न तीः आ नः मं स वि णा

घ रः न ति आ व ॥ ६ ॥ उ र वि नुः अ र वि नुः

प क र न वि नुः न ल सा य ल वि नु हं सा ॥ स्व सा व

रः न को . मा रि गो . आव . न को र ग त न मं सा ॥ १ ॥

नो दि या पा र . मि . यो ल को वि हं . वा . मे प त्र न हि

हे ॥ स्वये ली भुंति २ वा वतः म ग वा म ग के सि
र न हि हे ॥ २ ॥ सात हि हि म य के हि धनुः वा म पंजा
न हि हे ॥ ये च न वा न मा रे म ग वा म ग के वा वत
हि हे ॥ ३ ॥ क स म क वि र सु नो मा ई सा धुः म ह पड
बुं मे वि ले ला जो य ह पड कि क र त वि ये लाः स्व ग
रु मे ये ला ॥ ४ ॥  रा ग नि गु न ॥ ग्व वि र
जि के अ सा राः उ प का ल त्प रि आ सा रा ॥ ५ ॥

पुत्र करे गुरु गन्यतकाः ब्रह्म विष्णु महेश्वरकाः

॥ सिताक्षि मनः रा ~~का~~ मा गिरिवर धाः

रि. स्या नका ॥ १ ॥ तारा त्रिपुराका लि का के का

रहे. स्वर. हरिहरका ॥ आदिनाथ निरंजनकाः

पादवति स्रिव संघरका ॥

राग प्रभाव ॥ बल माने मते हरिनाम ॥ तज

४५५
१॥१॥

मनः प्रवक्ष्यामि ननु यममते भवजमान ॥ १ ॥ मनो त
स्य रेय सा नो दु नो पुरा न ॥ १ ॥ मा ते ले पा व स स्य ते
॥ भुग लि व ग थे दाने ॥ धु ध ई व रे ज र म या स
भा स ॥ २ ॥ धन ज नो उ म नः स दान द ई म र वः
भव म र वः नु र व ति दाने ॥ ३ ॥ सा क म या व थ
नो नः प्र नो भ या नो ग ति नः न प रु नो जी व रु
ना द सा व ॥ ४ ॥ म लु ना नो म ते दु ली ना म

राग निगुर्न ॥ नो चरे मन राग को आये: ग्या
न विचार जोग वराजे ॥ १ ॥ बुल्लो नो येई सुनाये:
नो चत देवा तिस ती ॥ २ ॥ माहा देव: नाये आगु
थावोले ॥ सहस्रक लामय नो ये गोविन्द ॥ ३ ॥
कंसयक विरे: मन हि विचारये ॥ मन हि विचार
: जोग वराजे ॥ ४ ॥  राग निरगुर्न ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

को है गुमान कर ना दनः सक दिन प्रति मे मिली
प्राणा ॥ ५ ॥ ७ ॥ भुजि. माति व ध्या ना. माति
ध्या उ नाः माति. कर सि ए ना ॥ माति. मे मिलि
नाः संसा उ दि च लि प्रा न ॥ १ ॥ न नी कि नार मेः धु
जल त तेः देव त हे स नि सार ॥ च द्र न सरिका. ल क
रि ज ले होः सु ना सरिका बना या ॥ २ ॥ म ति घ नी

ॐ

ॐ

महल वंताया. लोग कहें घर में रह ॥ प्रात पुरुष
जै न तिक सिग. यो ह. यो ग. ह. ये रा न में रा ॥ ३ ॥
य म ना म कि. लुत परि हे जो स क ला. वहि लु ते ॥ प्रात
को ल मे. क. रि. म. न. प. दु. ता ति से. मर ना. हो गा ॥ ४ ॥
यो व न त्प व न. पा नि. व र से. भि जि ग यो. ह. मी ना ॥ अंत
को ल मे. क. रि. म. न. प. दु. ता नि से मर वा कां सि ॥ ५ ॥

पु

शग॥ वसत॥ ॥ ॥ ॥ गग पि म्म उ व व त व उ न्न का न्ता प
का गु न ली त ल ॥ ल ति के स ल हा य उ पा ल अ टि न
वी त वा त उ व पा ल को कि त हा ल का न्ता या जाल स ल
स स म य व स ड का ल ॥ १ ॥ स्वा न हो या व यो रु व
जा रे र सी या भा व गु ल यो भा व ॥ थी थी जो जा व यु वा त
या व अ वि र अ त ल बि ला व ला के ॥ २ ॥ अ ति न त्या क
स्वा न या त्वा के ग ल स ला के अ ती ता हा के ॥ सि र स ला के
भा हा ति त्या के के हो त्या अ त र द धु स ला के ॥ ३ ॥ व स

मा सुद रिः सा य हा य स्या मा सुद रि ॥ कमल
न हे न रु मः कमल न हे न रु व ध रि य न ये रि ॥ १ः
ओ पु ति पा ल ^{हृ} वा ल ओ पा लः सा य हा य वा ल ओ पा
ल ॥ ओ कु ल ^{हृ} को र न द्य रि य न धे रि ॥ २॥ को हि
क ट ती द्राः को हि व र वं देः हा म रा ए म रा म ॥ ओ वि दे
वं दे ॥ ३ ॥ अ म य द्य वा न केः सर न तु मा रोः हा य हा य
सर न तु मा रो ॥ अ न य द्य हे रु मः म न य य तु ल नु
वि हा ति तु मा रोः अ आ न य सा र न ॥

जय जय गगनपतिः सर्वविगतितासत
सर्वविनितासतः जय जय गगनपतिः सर्वविगतिता
सतः जय जय गगनपति ॥ गङ्गारिपुत्रः गङ्गाधरपथनः
लम्बो धरस्त्रवित्तं ॥ सिलसम तुकः सीलसत
ले. स्मेते वरतस्त्रवित्तं ॥ १ ॥ करपुरजपनाल. प
सुपमुलनं ॥ नि श्रीसिधी आस पास. जगत मुरु
ती. स्ववित्तं ॥ २ ॥ भगतयक. विगने एज. सब

सि धी वा य कं ॥ सुर भ्र सुट मु नि दे वः सर्वै नाम
तो हे तं ॥ ३ ॥ ४ — ॥

श्री गुरु भ

नि ते ना थः श्री गुरु ग स त्रि लो के ना थ रं नि ॥ मा या
जाल स भ्रु ति र सं ताल ॥ ये त न सं भोः मु नि ज न
भो लेः ए न को नाम नु हे नु ति हो त्री लो के ना थ
दं नि ॥ १ ॥

ता भ स मुल ॥ श्री सं व म ल २ प ल व तं वु ल
सि व या कु ले ॥ ल म य आ जु त म डु जा मु ल ३ त
जा उ ले आ न द जु ल ॥ ज य वा ग म ति ज म ज य
वा ग म ति लो क या ग ति श्रु ती न स ती सु ध
ति रु थी ज य वा ग म ती ॥ १ ॥ मु ति या उ न पि
या जा यो ने व या गु न य व य द न ॥ ६ ३ ॥

हं भुङ्क्ते इह भुङ्क्ते : श्री कृष्णः नृनमो हं व
तमुज्जयवागमति ॥२॥ वेगलं हं साकगलं
ध्याके वलतमाके गुह्ये साके ॥ वेदं हं इतम
प्रतिवेजाके सतुलं हं सुवमग्याके नमवा
गमति ॥३॥ वेसया ध्याने नयते नमवाके
याते धुतिस्वास्वदाते ॥ वेसया हं ध्याने लाय
ते ध्याने बुद्धिं नमते ईश्वरी गवावाते नयवागम
॥ सतु ॥

जय ॥ ला ॥ वाराहि देवि हि च न व्रया जि
आने ॥ जय देवि वाराहिया च न सर नैति ॥ या कि
व जि कि व न हि के भक्ति मति ॥ वारा ॥ १ ॥ वय
धुन पि वा ज्ञा स लि ल या उ दा स न ॥ करु ना ति ह
ने दि न वि वे क मा ज्ञा व ॥ वारा ॥ २ ॥ अ ने ग उ
प का ल या ज्ञा न म ग्य ल ध नि ॥ य य कि उ मे व
म दु मा ई दि वि ना न ॥ वारा ॥ ३ ॥ म न स पु रे या

अविब्रान्तिते^भ धनि ॥ विवृद्धसनेदेवि ह्ना क ह्ना
माङ्गव ॥ वारा ॥ ५ ॥ (द जे ध न ज न मा न भ ग व ती

॥ (द जे ध न ज न मा न भ ग व ती ॥ सकलपरी ज न संग वि

र जे ॥ अ तित नो हर स्या न भ ग व ति ॥ १ ॥ अ तित को

मल तु म हु द म ज नो नि दु म ज न प्र ती पाल नी भ ग व ती

॥ २ ॥ अ वृ सी धी स ती त दे वि ॥ दे वि अ भ य वृ द दा त भ ग

व ग त ज न प री मा र ता सी नी ॥ अ क्त स वि जे

भगवति ॥ ६ ॥ सकल टीपु गतनास क
रो देवि ॥ कुंभ कट तु खसीनी भगवती ॥ ५ ॥ तुदय
तील कथन स्पेव कसुं भसगर तुमा हिनी गजुत
सुंभ सागर तुमा ही नीरज सादे विभ्र भय वरदाती
भगवति विजय धन जन मात भगवती ॥ ६ ॥ —
हे प्रभु गने नाभ सिधी पती वितु नैव दान ॥ सादे
प्रभं न संत न स्वी ल या नाहा दला कोल खव ॥

हा देवी वज्रिता भ भ य वल बा लख आद्या व ॥ हे ॥ १
 मती सम नमस्त कोल या नाद्य लपोल बव ॥
 मा या मो हो का मता न तोल ले म फु त यो ॥ हे पु ॥
 २ ॥ हा देवी वज्रीता इट स नला क म आव ॥ ते ल पु
 मु सि धी वल भाल पे म फु त यो ॥ हे पु मु सि
 प तु नी तु ने वर दा न ॥ ३ ॥ ॐ अं सि व ध्य न सि व
 न सि व र पे ॥ लं बो द र म क ग ने कुं टः आ र ती
 क री म क ग ने ल क मा र

जावी जायसं को रोवर ना ते सीते
मिल मुख ते हुत सर सर सीधी सीधी काजी
मि पं वत स्वा मा ॥ २१ ॥

सि धा गुरु आ जा दस न या न दस ने गाल
का मुख दे वि या आ ग्रा सि धा मो हो नि
सि धा गुरु आ ग्रा । छा व २ । अ नंदे न धि हा

मुन्या गाम

वाने वे ल स प ल प ल व न स क अ न स प ल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वाने वे ल स द ल प म अ व न स म क म त न म म
दा गी नि न म म दे व न म म क अ म म्ना इ न था य
सि द्ध जु व फो म व न ॥ १ ॥ अ न म नि द्धा न न र म्पा
ल म हि व य थ त त्व सि हा ज यु अ म् म्ना इ न
वि द्धा सि द्ध च के न म स नि य म्ना ट के थो म
न त ज प ल पा व स क तां म्ना त के वा व ॥ द्धा व ॥
थो म च त ल ल ज पा व तो न के द्धा थ को या व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

... का ता सि घ्रा म न त्वा हा ने ही मे हा कि
त्वा हा वि र ह लु मे त त्वा हा ल द्य वा
वे था औ र तं तं न र द्य र प र तं तं का था मा रं मा रं
क र क ता पु रु न का पु रु न वं धा द दि वं का द दि वं
धा म दि प्र का म दि म वं धा दं ति मुं ग ति मुं य ति
त्वा हा दं कि नि हा की नि वं धा वि दु ता नं नो क ता
वं धा अ ल वं धा थ ल वं धा अ ग्नी वं धा मे रा भ ग्नी
श्री श म कि वा था धा ॥ २५ ॥ का ई ता शू रे था य
वं ३

अ ग्नी वं धा थ ल वं धा अ ग्नी वं धा मे रा भ ग्नी
श्री श म कि वा था धा ॥ २५ ॥ का ई ता शू रे था य
वं ३

किं

ॐ गुह्यं न बहिदय तम निते ॐ हुं हुं हुं कृतं स्त
 ता ॥ ध्या ॥ १ ॥ नुग मनुयाय के ना ज प या इन तो त के
 ॐ मता बासा फ ॐ न मो गु आ गमा ॥ ध्या ॥ ३ ॥ ल
 य म प्र तो ले के य थ स्मा क या ॥ ॐ हि हि हि हि य ध
 हं हं कृतं स्तो हा ॥ ध्या ॥ ५ ॥ पु सु मो हा या के ॥
 मा हा व र मा हा वि र स्मा हुं कृतं स्तो हा ॥ ध्या ॥ ७ ॥ ल
 य पा नी का य ॥ ध्या ल ॥ १ ॥ ख डे ल वा कु ज व या उन
 म प्र फ न या फ व के ॥ ॐ सा सा म

ॐ सा शी हुं हुं फटं ह्रौं ॥ ध्या ॥
ॐ बुध म फ ल सा म स ज म ल धा न
म के उ अ ये न म बु ल सां पु ह न स न धा न धा तु र
का धा न पु न धा द न धा ल लो न के म आ न नु ई व न
ॐ लो ली क्षि ता लि तं ता लि स्ना हा ॥ ध्या ॥ १॥ हुं व या
हुं वि ^{व या} ल म स न म या उ न लो न के ॥ ३॥ अ का स
धा लि दि लि मि लि ॐ हुं फ ट स्ना हा न न जो गि ति ई
लि वा चा ॥ ध्या ल ॥ २॥ हे आ नु ई वे ले रु ले ला ग लि क

२४
य का न के ॥ २॥ ग ह आ या मा ला मा था का व म

यका न हो ॥ ॐ गुरु आ गमा मा ला मा था का व म
हं फ हं स्वा हा ॥ ध्या ॥ ७ ॥ मु स्वां न नु या पु य का का
ख ख थं मं म या न हि फ हं स्वा हा ॥ ध्या ॥ ७ ॥ हि न या
ह प का नं दु य वि ला सा आ रे सें क य के ॥ ३ ॥ सि
धि तं लं आ गमा दे नं आं गं गं गं गं हं फ हं स्वा हा ॥ ध्या ॥ ७
मं मं या पु आ नं ता द नं त य डि छा स्मा कं जु य ॥
या नं य सा को का य अं गं मु य

मो ले र वा युका द यु दे ना यु पुन
मो चा दु क्त तं ला हा ॥ ध्या ॥ २५ ॥
को ल द्या श न्दी ॥ श्री गुरु आ गमा ३० स नि भ नं सं ला
स स म स्वा हा ॥ ध्या ॥ २॥ यो मं ग त लो ^{का} ति सं क पु य
वा सं द व प्र सि य ता ता ई ॥ गु त क ता ह्या स ज्ञा त्त गा
मं ग यो त श रे यो य ह न दो ह्म ला न क धु ल हो
म प्र सि यो मि र्ना हं ला ई जा कि न दो य प्र सि यो य
सं ला त क ॥ श्री गुरु आ गमा ३० स नि भ न लो सि स
स्व हा ॥

॥
ध्या ॥ २॥ यो मं त्र न द्या प्र भा व लो य हो स्वा प

...

धा म॥ १७ श्रीमंत्र नद्या प्रभाव लो यको को फुल
हो या सकला जिन दृष्टि ॥ ३२ श्री निमस्स नर
पुर्वा अट नन र श्री ह पु म त मित्र ना ना ॥ धा म २४
२५ ॥ ये मंत्र न्या ला हाति पु श्र वा हे वा य दृष्टि वक्तु
गा मो तं बु धि सु ल सां शु वा सु त्या मु रे च्छा य ॥
ये मंत्र हो र गो जी नौ ति कि आ ग्रा स ति वि ता कि आ ग्रा
हा न्य मे र न के पु स्वा द फुल ॥ धा म ॥ २६ ॥ ला हि
ना हि त का त न्न गु ष ठे के रा उ सो

॥ १ ॥ किं प्रियं मा प्र॥ ३ गुरु
॥ आ को स वि का स मो वि का लु गुरु
॥ धा ८ ७ द्वि द्वि प्र गु का चि की चि हे गुरु ॥ ३ ७ पुन सो
॥ इति नमः त्रत्ना पतित म अता म त गि नि ह्यादा ॥ धा ९
कि मि या चि क र प या ना न तो के ॥ १ ३ रि रि रि रि त त्या ॥ धा ३
ता द न त य ॥ जि उ वा ते या हे ॥ अति से ल द्वि मि स ते स्वा
दा ॥ धा ८ १ ५ चि का या ल ह डी ल र न स त या वः तो त के
॥ गुरु को का य जि न ॥ ॥ श्री गुरु स्वाहाः श्री गुरु य त ३

श्री गुरु य के दिः ॥ धा ॥ ३ ॥ विं उ न क या पु य जि न

श्री गुरु दाय के हिः ॥ ध्या ॥ ३ ॥ विं कुं क या पु य त्रि न
ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ध्या ॥ ११ ॥ ॐ
हि या न का त न या म गे ल स उ न या उ न न तो त के ॥ ॥ ॥
ॐ सुं उं उं उं उं दाला ल ग त म द स्वा हा ॐ मा हा दे नो य
ॐ त स्वा हा ॥ ध्या ॥ ३२ ॥ ॐ द्रा द्रा च ला न तो त के तिले
न या शारे या य ॥ ॐ पि न यी ची व न ए प न स न ली स
धो प न द न ता ॥ ध्या ॥ २ ॥ ॥ जि न्मु न साल स उ प या उ न
तो त के ॥ ॐ सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं श्री श्री ॐ नमो
॥ ध्या ॥ १० ॥ वा सा क या दाल या क या